Diploma in Karmakand : Vaidika Paurohitya

Ist Semester (प्रथम सेमेस्टर)

संस्कार कर्म (क)

DVP-C103

[Total Marks : 100 = External 70+ Internal 30]

नोट- यह प्रश्नपत्र पाँच यूनिटों में विभक्त है। जिनमें से लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई (Unit)-I	प्राग्जन्म संस्कार- गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन।
इकाई (Unit)-II	जन्मोत्तर संस्कार-(I) जातकर्म, नामकरण(ग्रह-नक्षत्र ज्ञानसहित), निष्क्रमण।
इकाई (Unit)-III	जन्मोत्तर संस्कार-(II) अन्नप्राशन, मुण्डन(चौलकर्म),कर्णवेध।
इकाई (Unit)-IV	विद्यासंबन्धी संस्कार- उपनयन, वेदारम्भ, समावर्तन।
इकाई (Unit)-V	संस्कारों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि/इतिहास परिचयत्मक विवरण।

सहायक ग्रन्थ-

- **पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर राजस्थान।**
- **आर्यपर्व पद्धति- तपोभूमि मथुरा उ.प्र.।**
- **कर्मठगुरु – मुकुन्दवल्लभ , मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।**
- **धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ उ.प्र.।**
- **संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।**
- **संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्द राम हासानन्द दिल्ली।**
- **पर्वचन्द्रिका- आचार्य प्रेमभिक्षु, सत्यप्रकाशन, मथुरा उ.प्र.।**
- **क्यों? – माधवाचार्य एवं श्रीकण्ठशास्त्री , माधव विद्याभवन दिल्ली।**
- **बृहदवकहडाचक्रम्- चौखम्बा दिल्ली।**